(1)

Devoted to Religion, Literature, Science, Education, Temperance, Agriculture, and General Intelligence,

| Mex. W. MeL Editor. | HALIFAX, N. S.. THURSDAY, MARCH 2, 1854. |  |  |  |  | Volume vi. No. 9. Whole No. 242. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| The Colporteur. <br> fother! behod yon way-worn man avel-soil'd, and weak and wan, yet with brow so free from care <br> $f$ disappointment on his face $\qquad$ <br> Nother, l've read in legends old, $\qquad$ $\qquad$ those old bards of whom l've read In chronicles of Eld?" |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | bil | and hem menatal equilibiaid |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| ¿'No minstrel of the olden time, <br> fare framer of the Runic rhyme ${ }_{2}$ to him is given-or-his bright book contains the strain "e sing on old Judea's plain, Winat rels born in heaven." |  |  |  | Tis weet soen to muse, - |  |  |
|  |  |  |  |  |  | \%am |
|  | $\begin{aligned} & \text { tified } \\ & \text { town } \\ & \text { ment } \end{aligned}$ | fore |  |  |  | ${ }^{\text {nd }}$ |
|  |  |  |  |  |  |  |
| "S.y, Pilgrim, weary with thy load <br> While haling still upon the road, <br> On e sung by God's bright angel train, liy night on old Judea's plain When stars were burning dim?" |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| H! thus the glorious music run- <br> 'ilory to God. the Highest One, And everlactiug peace <br> in Curist, the Lord, is born to-day, <br> And Eden give again.'" |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Who was ming to conall the spirits, and |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 7 |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| ". sy, pilgrim, with thy burilen weary, h.ne ntght is closing dark and dreary How tar off lies thy peacefill home? hiovil When wilt thou crase to roam?" |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | n. |
|  |  |  |  |  |  |  |
| . If it where starry flowers are springing, <br> . What-wing'd burds and bees are singingWhere evory breeze that all the air -- fragrant with the oratge tree say, if thy home is there?" |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | Wer hen |
|  |  |  |  |  |  |  |
| No-darest shild-beneath the sky, <br> () home-no place of rest have I ho math my Master trod, Ind siball I ask a softer bed 'han His-the Eternal God.' |  |  | . No betuere way, mellionks, 10 im. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | sitions of Science, falsely |  |  |
| . i seek a rest where light and love 'utshine the fadeless stars above-Heanwhile contented here I roam innôrtal seed of Life I sowAnd where the Saviour leads I goAnd where He is, is Home." heccenter, 1853. w. Mck. |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | but |  |  |  |  |  |
| - - $\qquad$ <br> Spirit Rappings. <br> No. 3. |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | , |  |  |  |
| on for the discovery of the cheat. Table Hoving seems first to have attract- |  |  |  |  |  |  |
| fol attention in these Provinces.That some persons could move someI HLEEs, without muscular strength and by |  |  |  |  |  |  |
|  | , | witchery of the light fant |  |  |  |  |
|  |  | ofit as rent wise and faid and |  |  |  | dred. |
|  | " | ed |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | Had | Heach the word, the most essential parts |  |  |  |
|  <br>  |  |  |  |  |  | Thaugh by birth a |
|  | a | deady |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | P |  |  | rant of the true |  |  |
|  | churnh yard |  | pace, | dherefore man | you |  |
| he evil consists in asserting that it is <br> invisible spirits, who, by this mo- | w | the thanes, as something to be dreaded; ste |  |  | whichit was |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | Lix barn, Mt. Payzamt frel partly trough |
|  | g |  |  |  |  | ditan |
| Whition in ing is ys ome explained thus: |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| Wht this is the cause of all violent motion.- it is very strange that this notion has never reen observed and inquired into; as being |  |  |  | ven trut |  |  |
| seen obeerved and inquired into; as being he most common and chief origin of all me- | tersted in keeping the |  | man | turemem from |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| "elt, and then in progression, where it finds |  |  | The Soul Immortal |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ${ }_{\text {Thens }}^{\text {Timmoral }}$ |  | nat thas |  |
| Hoter |  |  |  |  |  |  |
|  | did | said it was an excellent sthool, where the |  | made of |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | then sink intor a deay ominous of extioc. |  |  |  |
| ure upon is natural, and not produced by spiri- ual agency. |  |  | tion; whilst man's ifife loses spon an inel- bat |  | Hhis route |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| and |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | atheim |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | fate comen |  |  |  |  |  |
| nervous derangements-these phenomenahave hitherto rêceived but little attention |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

